

---

# Samvitprasada Stotram

——  
संवित्प्रसादस्तोत्रम्

——  
Document Information



---

Text title : saMvitprasAdastotram

File name : saMvitprasAdastotram.itx

Category : devii, devI

Location : doc\_devii

Proofread by : Sunder Hattangadi

Source : Shri Chitrapura Stuti Manjari, 3rd ed. 2008

Acknowledge-Permission: Shri Chitrapur Math - Publications Committee <https://chitrapurmath.net/>

Latest update : March 2, 2018

Send corrections to : [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

August 30, 2023

*sanskritdocuments.org*

---



---

## Samvitprasada Stotram

---

### संवित्प्रसादस्तोत्रम्

---



सर्वार्थदा सर्वजगत्प्रसूतिः सर्वेश्वरी सर्वभयापहन्त्री ।  
सर्वोन्नता सर्वभूतान्तरस्था संविन्मयी मे भवतु प्रसन्ना ॥ १ ॥  
समस्तविघ्नौघविनाशकारिणी समस्तभक्तोद्धरणे विचक्षणा ।  
समस्तसौन्दर्यविमशरूपिणी संविन्मयी मे भवतु प्रसन्ना ॥ २ ॥  
विद्या शिवाङ्कस्थितवामरूपा विशुद्धविज्ञानसुखैकदोग्ध्री ।  
विक्षेपहन्त्री त्रिगुणातिरिक्ता संविन्मयी मे भवतु प्रसन्ना ॥ ३ ॥  
अशेषवाग्जाड्यतमोपहन्त्री नवं नवं स्पष्टसुवाक्प्रदात्री ।  
ममैव जिह्वाग्रसुरङ्गनर्तकी संविन्मयी मे भवतु प्रसन्ना ॥ ४ ॥  
माता-पिता त्वं गुरुः सद्गतिः श्रीस्त्वमेव सञ्जीवनहेतुभूता ।  
अन्यं न मन्ये जगदेकनाथे त्वमेव संविन् मम देवि सर्वम् ॥ ५ ॥  
इति संवित्प्रसादस्तोत्रं सम्पूर्णम् ।

Proofread by Sunder Hattangadi

---

---

*Samvitprasada Stotram*

pdf was typeset on August 30, 2023

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

